मुफ्त-बेचने के लिये नहीं

"प्रभु की अनमोल सहायता" आपकी सुविधा के लिए छोटी पुस्तिका के रूप में प्रकाशित की गई है ताकि आप इसे अपने पास हमेशा सरलता से रखे रहें और थोड़ा सा अवकाश मिलने पर भी अपना समय नष्ट न करते हुए, इसे पढ़ लाभ उठा सकें।

इसके विषय पवित्र शास्त्र में से चुने गये हैं। हमारा विश्वास है कि पवित्र शास्त्र अपने पदों को स्वयः स्पष्ट करता है। आशा है ये पद प्रभु का सुसमाचार स्पष्टता से देंगे।

परमेश्वर का वचन सत्य के खोजियों के लिए लाभप्रद है। कोई व्यक्ति अपने पापों से पश्चात्ताप करके, पूरे हृदय से मसीह यीशु पर जब विश्वास लाता है तब प्रभु यीशु मसीह अपनी शान्ति विश्वासी के हृदय में डालता है। यह अनुभव मुझे १९३७ में हुआ। इसके बाद मेरा सम्पर्क परमेश्वर से कभी भी नहीं छूटा।

आपसे मेरी प्रार्थना है कि आप भी प्रभु यीशु को अपना जीवन देकर उद्धारकर्त्ता ग्रहण करें।

—वॉटमन गुडमैन

परमेश्वर का प्रेम

रोमियों ५ : ८

परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।

यूहन्ना १३ : १

फसह के पर्व्व से पहिले जब यीशु ने जान लिया, कि मेरी वह घड़ी आ पहुंची है कि जगत छोड़कर पिता के पास जाऊं, तो अपने लोगों से, जो जगत में थे, जैसा प्रेम वह रखता था, अन्त तक वैसा ही प्रेम रखता रहा।

प्रकाशितवाक्य १ : ५

और यीशु मसीह की ओर जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठने वालों में पहिलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का हाकिम है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे : जो हम से प्रेम रखता है, और जिसने अपने लोहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है।

यूहन्ना ३ : १६

क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

यिर्मयाह ३१ : ३

यहोवा ने मुझे दूर से दर्शन देकर कहा है। मैं तुझ से सदा प्रेम रखता आया हूँ; इस कारण मैंने तुझ पर अपनी करुणा बनाए रखी है।

प्रभु यीशु मसीह का दिव्य

मत्ती १ : २२, २३

यह सब कुछ इसलिये हुआ कि जो वचन प्रभु ने भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा था; वह पूरा हो कि, देखो एक कुँवारी गर्भवती होगी और एक पुत्र जनेगी और उसका नाम इम्मानुएल रखा जाएगा जिसका अर्थ यह है "परमेश्वर हमारे साथ"।

यूहन्ना १ : १ और १४

आदि में वचन था, और वचन परमेश्वर के साथ था, और वचन परमेश्वर था।···और वचन देहधारी हुआ; और अनुग्रह और सच्चाई से परिपूर्ण होकर हमारे बीच में डेरा किया, और हमने उसकी ऐसी महिमा देखी, जैसी पिता के एकलौते की महिमा।

१ तीमुथियुस ३ : १६

और इसमें सन्देह नहीं, कि भक्ति का भेद गम्भीर है ; अर्थात् वह जो शरीर में प्रगट हुआ, आत्मा में धर्मी ठहरा, स्वर्गदूतों को दिखाई दिया, अन्यजातियों में उसका प्रचार हुआ, जगत में उस पर विश्वास किया गया, और महिमा में ऊपर उठाया गया।।

यूहन्ना १४ : ९, १० अ

यीशु ने उससे कहा; हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हूँ, और क्या तू मुझे नहीं जानता ? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है : तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा। क्या तू प्रतीति नहीं करता, कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में हैं ?

यीशु परमेश्वर का पुत्र

१ यूहन्ना ४ : १५

जो कोई यह मान लेता है, कि यीशु परमेश्वर का पुत्र है; परमेश्वर उसमें बना रहता है, और वह परमेश्वर में।

कुलुस्सियों २ : ९

क्योंकि उसमें ईश्वरत्व की सारी परिपूर्णता सदेह वास करती है।

यशायाह ९ : ६

क्योंकि हमारे लिये एक बालक उत्पन्न हुआ, हमें एक पुत्र दिया गया है ; और प्रभुता उसके कान्धे पर होगी, और उसका नाम अद्‌भुत युक्ति करने वाला पराक्रमी परमेश्वर, अनन्त काल का पिता, और शान्ति का राजकुमार रखा जाएगा।

मत्ती १७ : ५

वह बोल ही रहा था, कि देखो, एक उजले बादल ने उन्हें छा लिया, और देखो; उस बादल में से यह शब्द निकला, कि यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिससे मैं प्रसन्न हूँ : इस की सुनो।

लूका १ : ३५

स्वर्गदूत ने उसको उत्तर दिया; कि पवित्र आत्मा तुझ पर उतरेगा, और परमप्रधान की सामर्थ तुझ पर छाया करेगी इसलिये वह पवित्र जो उत्पन्न होनेवाला है, परमेश्वर का पुत्र कहलाएगा।

४ यीशु मसीह बताता है कि वह कौन है

यूहन्ना ११ : २५

यीशु ने उस से कहा, पुनरुत्थान और जीवन मैं ही हूँ जो कोई मुझ पर विश्वास करता वह यदि मर भी जाए, तौभी जीएगा।

यूहन्ना १३ : १३

तुम मुझे गुरु, और प्रभु, कहते हो, और भला कहते हो, क्योंकि मैं वही हूँ।

यूहन्ना ८ : २३

उसने उनसे कहा, तुम नीचे के हो, मैं ऊपर का हूं; तुम संसार के हो, मैं संसार का नहीं।

यूहन्ना ८ : ५८

यीशु ने उनसे कहा मैं तुम से सच-सच कहता हूँ; कि पहिले इसके कि इब्राहीम उत्पन्न हुआ मैं हूँ।

यूहन्ना ९ : ५

जब तक मैं जगत में हूँ, तब तक जगत की ज्योति हूँ।

यूहन्ना १० : ७

तब यीशु ने उनसे फिर कहा, मैं तुम से सच-सच कहता हूँ; कि भेड़ों का द्वार मैं हूँ।

यूहन्ना ६ : ३५

यीशु ने उनसे कहा, जीवन की रोटी मैं हूँ: जो मेरे पास आएगा वह कभी भूखा न होगा और जो मुझ पर विश्वास करेगा, वह कभी प्यासा न होगा।

मत्ती १४ : १६–२१

तब उसने लोगों को घास पर बैठने को कहा, और उन पांच रोटियों और दो मछलियों को लिया; और स्वर्ग की ओर देख कर धन्यवाद किया और रोटियां तोड़ तोड़कर चेलों को दीं, और चेलों ने लोगों को। और सब खाकर तृप्त हो गए, और उन्होंने बचे हुए टुकड़ों से भरी हुई बारह टोकरियां उठाई। और खाने वाले स्त्रियों और बालकों को छोड़कर पाँच हजार पुरुषों के अटकल थे।

लूका ५ : ४-६

जब वह बातें कर चुका, तो शमौन से कहा, गहिरे में ले चल और मछलियां पकड़ने के लिये अपने जाल डालो। शमौन ने उसको उत्तर दिया, कि हे स्वामी, हमने सारी रात हिम्मत की और कुछ न पकड़ा; तौभी तेरे कहने से जाल डालूंगा। जब उन्होंने ऐसा किया, तो बहुत मछलियां घेर लाए, और उनके जाल फटने लगे।

मत्ती २० : ३०-३४

और देखो, दो अन्धे, जो सड़क के किनारे बैठे थे, यह सुनकर कि यीशु जा रहा है, पुकार कर कहने लगे; कि हे प्रभु; दाऊद के सन्तान, हम पर दया कर। लोगों ने उन्हें डांटा, कि चुप रहे; पर वे और भी चिल्लाकर बोले, हे प्रभु दाऊद के सन्तान; हम पर दया कर। तब यीशु ने खड़े होकर, उन्हें बुलाया, और कहा; तुम क्या चाहते हो कि मैं तुम्हारे लिये करूं? उन्होंने उससे कहा; हे प्रभु; यह कि हमारी आँखें खुल जाएं यीशु ने तरस खाकर

उनकी आंखें छुईं, और वे तुरन्त देखने लगे; और उनके पीछे हो लिये।

६ यीशु मसीह सृष्टिकर्ता और प्रभु है

कुलुस्सियों १ : १६

क्योंकि उसी में सारी वस्तुओं की सृष्टि हुई, स्वर्ग की हो अथवा पृथ्वी की, देखी या अनदेखी, क्या सिंहासन, क्या प्रभुताएं, क्या प्रधानताएं, क्या अधिकार, सारी वस्तुएं उसी के द्वारा और उसी के लिये सृजी गई हैं।

रोमियों १४ : ९

क्योंकि मसीह इसीलिये मरा और जी भी उठा कि कि मरे हुओं और जीवतों, दोनों का प्रभु हो।

यूहन्ना १ : ३

सब कुछ उसी के द्वारा उत्पन्न हुआ और जो कुछ उत्पन्न हुआ है, उसमें से कोई भी वस्तु उसके बिना उत्पन्न न हुई।

१ कुरिन्थियों १ : ९

परमेश्वर सच्चा है: जिसने तुमको अपने पुत्र हमारे प्रभु मसीह की संगति में बुलाया है।

प्रेरितों २ : ३६

सो अब इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।

यीशु मसीह सबका न्यायी है

प्रेरितों० १० : ४२

और उसने हमें आज्ञा दी, कि लोगों में प्रचार करो; और गवाही दो, कि यह वही है; जिसे परमेश्वर ने जीवतों और मरे हुओं का न्यायी ठहराया है।

रोमियों २ : १६

जिस दिन परमेश्वर मेरे सुसमाचार के अनुसार यीशु मसीह के द्वारा मनुष्यों की गुप्त बातों का न्याय करेगा ।।

२ तीमुथियुस ४ : १

परमेश्वर और मसीह यीशु को गवाह करके, जो जीवतों और मरे हुओं का न्याय करेगा, उसे और उसके प्रगट होने, और राज्य को सुधि दिलाकर मैं तुझे चिताता हूँ।

मत्ती २५ : ३२

और सब जातियाँ उसके साम्हने इकट्ठी की जाएंगी; और जैसा चरवाहा भेड़ों को बकरियों से अलग कर देता है, वैसा ही वह उन्हें एक दूसरे से अलग करेगा।

यूहन्ना ५ : २२

और पिता किसी का न्याय भी नहीं करता, परन्तु न्याय करने का सब काम पुत्र को सौंप दिया है।

रोमियों १४ : १०

तू अपने भाई पर क्यों दोष लगाता है ? या तू फिर क्यों अपने भाई को तुच्छ जानता है ? हम सब के सब परमेश्वर के न्याय सिंहासन के साम्हने खड़े होंगे।

८ छुटकारा केवल यीशु मसीह के द्वारा

यूहन्ना १० : ९

द्वार मैं हूँ : यदि कोई मेरे द्वारा भीतर प्रवेश करे तो उद्धार पाएगा और भीतर बाहर आया जाया करेगा और चारा पाएगा।

यूहन्ना १४ : ६

यीशु ने उससे कहा, मार्ग और सच्चाई और जीवन में ही हूँ; बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहुँच सकता।

यूहन्ना ८ : २४

इसलिये मैं ने तुम से कहा, कि तुम अपने पापों में मरोगे ; क्योंकि यदि तुम विश्वास न करोगे कि मैं वही हूँ, तो अपने पापों में मरोगे।

इब्रानियों ५ : ९

और सिद्ध बनकर, अपने सब आज्ञा माननेवालों के लिये सदा काल के उद्धार का कारण हो गया।

प्रेरितों० ४ : ४२

और किसी दूसरे के द्वारा उद्धार नहीं; क्योंकि स्वर्ग के नीचे मनुष्यों में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया, जिसके द्वारा हम उद्धार पा सकें।

इब्रानियों ७ : २५

इसीलिये जो उसके द्वारा परमेश्वर के पास आते हैं, वह उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकता है, क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित है॥

६ छुटकारा केवल यीशु मसीह के द्वारा

कुलुस्सियों १ : १२-१४

और पिता का धन्यवाद करते रहो, जिसने हमें इस योग्य बनाया कि ज्योति में पवित्र लोगों के साथ मीरास में सम्भागी हों। उसी ने हमें अन्धकार के वश में से छुड़ाकर अपने प्रिय पुत्र के राज्य में प्रवेश कराया। जिसमें हमें छुटकारा अर्थात् पापों की क्षमा प्राप्त होती है।

लूका १९ : १०

क्यों मनुष्य का पुत्र खोए हुओं को ढूंढने और उनका उद्धार करने आया है।

तीतुस २ : १४

जिसने अपने आपको हमारे लिये दे दिया, वह हमें हर प्रकार के अधर्म से छुड़ा ले, और शुद्ध करके अपने लिए एक ऐसी जाति बना ले जो भले-भले कामों में सरगर्म हो।

१ कुरिन्थियों १ : ३०

परन्तु उसी की ओर से तुम मसीह यीशु में हो, जो परमेश्वर की ओर से हमारे लिये ज्ञान ठहरा अर्थात् धर्म और पवित्रता, और छुटकारा।

प्रकाशितवाक्य ५ : ९

और वे यह नया गीत गाने लगे, कि तू इस पुस्तक के लेने, और उसकी मुहरें खोलने के योग्य है ; क्योंकि तू ने वध होकर अपने लोहू से हर एक कुल, और भाषा, और लोग, और जाति में से परमेश्वर के लिये लोगों को मोल लिया है।

१०. यीशु मसीह के लोहू से छुटकारा

१ पतरस १ : १८-१९

क्योंकि तुम जानते हो, कि तुम्हारा निकम्मा चाल-चलन जो बाप-दादों से चला आता है उससे तुम्हारा छुटकारा चान्दी-सोने अर्थात् नाशवान वस्तुओं के द्वारा नहीं हुआ। पर निर्दोष और निष्कलंक मेम्ने अर्थात् मसीह के बहुमूल्य लोहू के द्वारा हुआ।

इब्रानियों ९ : १४

तो मसीह का लोहू जिसने आपको सनातन आत्मा क द्वारा परमेश्वर के साम्हने निर्दोष चढ़ाया, तुम्हारे विवेक को मरे हुए कामों से क्यों न शुद्ध करेगा, ताकि तुम जीवते परमेश्वर की सेवा करो।

रोमियों ५ : ९

सो जब कि हम, अब उसके लोहू के कारण धर्मी ठहरे, तो उसके द्वारा क्रोध से क्यों न बचेंगे ?

इफिसियों १ : ७

हम को उस में उसके लोहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, उसके उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है।

१ यूहन्ना १ : ७

पर यदि जैसा वह ज्योति में है, वैसे हम भी ज्योति में चलें, तो एक दूसरे से सहभागिता रखते हैं; और उस के पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करता है।

११ उद्धार प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास लाने से

इफिसियों २ : ८,९

क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन परमेश्वर का दान है। और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे।

रोमियों ५ : १

सो जब हम विश्वास से धर्मी ठहरे, तो अपने प्रभु यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल रखें।

गलतियों ५ : ६

और मसीह यीशु में न खतना, न खतनारहित कुछ काम का है, परन्तु केवल, जो प्रेम के द्वारा प्रभाव करता है।

१ यूहन्ना ५ : ४

क्योंकि जो कुछ परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह संसार पर जय प्राप्त करता है, और वह विजय जिससे संसार पर जय प्राप्त है हमारा विश्वास है।

यूहन्ना ६ : २८-२९

उन्होंने उससे कहा, परमेश्वर के कार्य करने के लिए हम क्या करें ? यीशु ने उन्हें उत्तर दिया; परमेश्वर का कार्य यह है, कि तुम उस पर, जिसे उसने भेजा है, विश्वास करो।

यूहन्ना २० : ३१

परन्तु ये इसलिये लिखे गए हैं, कि तुम विश्वास करो, कि यीशु ही परमेश्वर का पुत्र मसीह है : और विश्वास करके उसके नाम से जीवन पाओ।

भजन संहित १०३ : ११

जैसे आकाश पृथ्वी के ऊपर ऊंचा है, वैसे ही उसकी करुणा उसके डरवैयों के ऊपर प्रबल है।

भजन संहिता १०३ : १७

परन्तु यहोवा की करुणा उसके डरवैयों पर युग-युग और उसका धर्म उनके नाती-पोतों पर भी प्रगट होता है।

विलापगीत ३ : २२, २३

हम मिट नहीं गए; यह यहोवा की महाकरुणा का फल है, क्योंकि उसकी दया अमर है। प्रति भोर वह नई होती रहती है; तेरी सच्चाई महान है

भजन संहिता १०८ : ४

क्योंकि तेरी करुणा आकाश से भी ऊंची है, और तेरी सच्चाई आकाशमण्डल तक है।

तीतुस ३ : ५

तो उसने हमारा उद्धार किया : और यह धर्म के कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किये, पर अपनी दया के अनुसार, नए जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

मीका ७ : १८

तेरे समान ऐसा परमेश्वर कहाँ है जो अधर्म को क्षमा करे और अपने निज भाग के बचे हुओं के अपराध को ढांप दे ? वह अपने क्रोध को सदा बनाए नहीं रहता, क्योंकि वह करुणा से प्रीति रखता है।

१३ परमेश्वर हमें अपने पास बुलाता है

मत्ती ११ : २८

हे सब परिश्रम करने वालो और बोझ से दबे हुए लोगो, मेरे पास आओ; मैं तुम्हें विश्राम दूंगा।

प्रकाशितवाक्य २२ : १७

और आत्मा, और दुल्हिन दोनों कहती हैं, आ; और सुनने वाला भी कहे, कि आ; और जो प्यासा हो, वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेंतमेंत ले।

यूहन्ना ७ : ३७

फिर पर्व्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खड़ा हुआ और पुकार कर कहा, यदि कोई प्यास हो तो मेरे पास आकर पीए।

यशायाह ५५ : १

अहो सब प्यासे लोगो, पानी के पास आओ; और जिनके पास रुपया न हो, तुम भी आकर मोल लो और खाओ ! दाखमधु और दूध बिन रुपए और बिना दाम ही आकर ले लो।

यशायाह १ : १८

यहोवा कहता है, आओ, हम आपस में वाद-विवाद करें : तुम्हारे पाप चाहे लाल रंग के हों, तौ भी वे हिम की नाईं उजले हो जाएंगे; और चाहे अर्गवानी रंग के हों, तौ भी वे ऊन के समान श्वेत हो जाएंगे।

१४ सब परमेश्वर की सन्तान नहीं हैं

१ यूहन्ना ३ : १०

इसी से परमेश्वर की सन्तान, और शैतान की सन्तान जाने जाते हैं; जो कोई धर्म के काम नहीं करता, वह परमेश्वर से नहीं, और न वह, जो अपने भाई से प्रेम नहीं रखता।

रोमियों ८ : १४, १५

इसलिये कि जितने लोग परमेश्वर के आत्मा के चलाए चलते हैं, वे ही परमेश्वर के पुत्र हैं। क्योंकि तुम को दासत्व की आत्मा नहीं मिली, कि फिर भयभीत हो परन्तु लेपालकपन की आत्मा मिली है, जिससे हम हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारते हैं।

फिलिप्पियों २ : १५

ताकि तुम निर्दोष और भोले होकर टेढ़े और हठीले लोगों के बीच परमेश्वर के निष्कलंक संतान बने रहो, जिनके बीच में तुम जीवन का वचन लिए हुए जगत में जलते दीपकों की नाई दिखाई देते हो।

यूहन्ना १ : १२

परन्तु जितनों ने उसे ग्रहण किया, उसने उन्हें परमेश्वर के सन्तान होने का अधिकार दिया अर्थात् उन्हें जो उसके नाम पर विश्वास करते हैं।

इसलिये प्रभु कहता है, कि उनके बीच में से निकलो और अलग रहो; और अशुद्ध वस्तु को मत छूओ, तो मैं तुम्हें ग्रहण करूंगा। और तुम्हारा पिता हूंगा, और तुम मेरे बेटे और बेटियां होगे यह सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर का वचन है।

२ कुरिन्थियों ६ : १७, १८

१५ शराब के विषय में परमेश्वर का वचन

नीतिवचन २३ : ३१,३२

जब दाखमधु लाल दिखाई देता है, और कटोरे में उसका सुन्दर रंग होता है, और जब वह धार के साथ उण्डेला जाता है, तब उसको न देखना क्योंकि अन्त में सर्प की नाई डसता है, और करैत के समान काटता है।

यशायाह ५ : ११

हाय उन पर जो बड़े तड़के उठकर मदिरा पीने लगते हैं और बड़ी रात तक दाखमधु पीते रहते हैं जब तक उनको गर्मी न चढ़ जाए !

गलतियों ५ : १९ और २१

शरीर के काम तो प्रगट है, अर्थात् व्यभिचार, गन्दे काम, लुचपन मूर्ति पूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईर्ष्या, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म। डाह, मतवालापन, लीला, क्रीड़ा, और इनके ऐसे और और काम हैं, इनके विषय में मैं तुम को पहिले से कह देता हूँ जैसे पहिले कह भी चुका हूँ, कि ऐसे ऐसे काम करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

रोमियों १३ : १३, १४

जैसा दिन को सोहता है, वैसा ही हम सीधी चाल चलें; न कि लीला क्रीड़ा, और पियक्कड़पन, न व्यभिचार और लुचपन में और न झगड़े और डाह में। वरन प्रभु यीशु मसीह को पहिन लो, और शरीर के अभिलाषों को पूरा करने का उपाय न करो।

सच्चाई ही काफी नहीं है

मत्ती २२ : ३७—३८

उसने उससे कहा, तू परमेश्वर अपने प्रभु से अपने सारे मन और अपने सारे प्राण और अपनी सारी बुद्धि के साथ प्रेम रख। बड़ी और मुख्य आज्ञा तो यही है।

नीतिवचन १६ : २५

ऐसा भी मार्ग है, जो मनुष्य को सीधा देख पड़ता है, परन्तु उसके अन्त में मृत्यु ही मिलती है।

और जब वह निकलकर मार्ग में जाता था, तो एक मनुष्य उसके पास दौड़ता हुआ आया, और उसके आगे घुटने टेककर उससे पूछा, हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का अधिकारी होने के लिए मैं क्या करूँ? यीशु ने उससे कहा, तू मुझे उत्तम क्यों कहता है? कोई उत्तम नहीं, केवल एक अर्थात् परमेश्वर। तू आज्ञाओं को तो जानता है; हत्या न करना, व्यभिचार न करना, चोरी न करना, झूटी गवाही न देना, छल न करना, अपने पिता और अपनी माता का आदर करना। उसने उससे कहा, हे गुरु, इन सब को मैं लड़कपन से मानता आया हूँ। यीशु ने उस पर दृष्टि करके उससे प्रेम किया, और उससे कहा, तुझ में एक बात की घटी है; जा, जो कुछ तेरा है, उसे बेच कर कंगालों को दे, और तुझे स्वर्ग में धन मिलेगा और आकर मेरे पीछे हो ले। इस बात से उसके चेहरे पर उदासी छा गयी, और वह शोक करता हुआ चला गया, क्योंकि वह बहुत धनी था। मरकुस १० : १७–२२

याकूब १ : २२

परन्तु वचन पर चलने वाले बनो, और केवल सुनने वाले ही नहीं जो अपने आप को धोखा देते हैं।

१ कुरिन्थियों ६:९, १०

क्या तुम नहीं जानते, कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे ? धोखा न खाओ, न वेश्यागामी, न मूर्ति पूजक, न परस्त्रीगामी, न लुच्चे, न पुरुषगामी। न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देने वाले, न अंधेरे करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस होंगे।

इफिसियों ५ : ६

कोई तुम्हें व्यर्थ बातों से धोका न दे; क्योंकि इन ही कामों के कारण परमेश्वर का क्रोध आज्ञा न मानने वालों पर भड़कता है।

१ यूहन्ना ३ : ७, ८ अ

हे बालको, किसी के भरमाने में न आना ; जो धर्म के काम करता है, वही उसकी नाई धर्मी है। जो कोई पाप करता करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है।

गलतियों ६ : ३

क्योंकि यदि कोई कुछ न होने पर भी अपने आप को कुछ समझता है, तो अपने आप को धोखा देता है।

पाप से मौत आती है

लूका १५ : ३२

परन्तु अब आनन्द करना और मगन होना चाहिये क्योंकि यह तेरा भाई मर गया था फिर जी गया है; खो गया था, अब मिल गया है ।।

नीतिवचन ११ : १९

जो धर्म में दृढ़ रहता, वह जीवन पाता है, परन्तु जो जो बुराई का पीछा करता, वह मृत्यु का कौर हो जाता

रोमियों ५ : १२

इसलिए जैसा एक मनुष्य के द्वारा पाप जगत में आया, और पाप के द्वारा मृत्यु आई, और इस रीति से मृत्यु सब मनुष्यों में फैल गई, इसलिये कि सबने पाप किया

याकूब १ : १५

फिर अभिलाषा गर्भवती होकर पाप को जानती है और पाप जब बढ़ जाता है तो मृत्यु को उत्पन्न करता है।

रोमियों ८ : ६

शरीर पर मन लगाना तो मृत्यु है, परन्तु आत्मा पर मन लगाना जीवन और शान्ति है।

यहेजकेल १८ : २०

जो प्राणी पाप करे वही मरेगा, न तो पुत्र पिता के अधर्म का भार उठाएगा और न पिता पुत्र का ; धर्मी को अपने ही धर्म का फल, और दुष्ट को अपनी ही दुष्टता का फल मिलेगा।

यूहन्ना ११ : ४३, ४४

यह कहकर उसने बड़े शब्द से पुकारा, कि हे लाजर, निकल आ। जो मर गया था, वह कफन से हाथ पाँव बँधे हुए निकल आया, और उसका मुँह अंगोछे से लिपटा हुआ था : यीशु ने उन से कहा, उसे खोलकर जाने दो।

प्रकाशितवाक्य १:१८

मैं मर गया था, और अब देख; मैं युगानयुग जीवता हूँ ; और मृत्यु और अधोलोक की कुँजियाँ मेरे ही पास हैं।

यूहन्ना १० : १७, १८

पिता इसीलिए मुझ से प्रेम रखता है, कि मैं अपना प्राण देता हूँ, कि उसे फिर ले लूं। कोई उसे मुझ से छीनता नहीं, वरन मैं उसे आप ही देता हूँ : मुझे उसके देने का भी अधिकार है, और उसे फिर लेने का भी अधिकार है : यह आज्ञा मेरे पिता से मुझे मिली है।

लूका ७ : १४, १५ अ

तब उसने पास आकर अर्थी को छुआ; और उठाने वाले ठहर गए तब उसने कहा : हे जवान, मैं तुझसे कहता हूँ, उठ। तब वह मुरदा उठ बैठा, और बोलने लगा।

परमेश्वर की आज्ञाएँ

व्यवस्थाविवरण ५ : ७,–२१

मुझे छोड़ दूसरों को परमेश्वर करके न मानना ।।

तू अपने लिये कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी की प्रतिमा बनाना जो आकाश में, वा पृथ्वी पर, वा पृथ्वी के जल में हैं, तू उनको दण्डवत् न करना और न उनकी उपासना करना···तू अपने परमेश्वर यहोवा का नाम व्यर्थ न लेना; क्योंकि जो यहोवा का नाम व्यर्थ ले वह उनको निर्दोष न ठहराएगा।

तू विश्रामदिन को मानकर पवित्र रखना, जैसे तेरे परमेश्वर यहोवा ने तुझे आज्ञा दी। छः दिन तो परिश्रम करके अपना सारा काम काज करना ; परन्तु सातवाँ दिन तेरे परमेश्वर यहोवा के लिए विश्राम दिन है। अपने पिता और अपनी माता का आदर करना, जैसे कि तेरे परमेश्वर यहोवा ने मुझ आज्ञा दी·····

तू हत्या न करना ।।

तू व्यभिचार न मरना ।।

तू चोरी न करना।।

तू किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी न देना ।।

तू न किसी की पत्नी का लालच करना, और न किसी के घर का लालच करना, न उसके खेत का, न उसके दास का, न उसकी दासी का, न उसके बैल या गदहे का, न उसकी किसी और वस्तु का लालच करना ।।

२१ आप परमेश्वर से छिप नहीं सकते

नीतिवचन १५ : ३

यहोवा की आँखें सब स्थानों में लगी रहती हैं।

लूका ८ : १७

कुछ छिपा नहीं, जो प्रगट न हो ; और न कुछ गुप्त है, जो जाना न जाए, और प्रगट न हो।

भजन संहिता १३९ : ८ और १२

यदि मैं आकाश पर चढ़ूं, तो तू वहाँ है ! यदि मैं अपना बिछौना अधोलोक में बिछाऊं तो वहाँ भी तू है ! ··· तौभी अन्धकार तुझ से न छिपाएगा, रात तो दिन के तुल्य प्रकाश देगी ; क्योंकि तेरे लिए अन्धियारा और उजियाला दोनों एक समान हैं।

अय्यूब ३४ : २१,२२

क्योंकि ईश्वर की आँखें मनुष्य की चाल-चलन पर लगी रहती हैं, और वह उसकी सारी चाल को देखता रहता है ॥ ऐसा अन्धियारा वा घोर अन्धकार कहीं नहीं हैं जिसमें अनर्थ करने वाले छिप सकें।

यिर्मयाह २३ : २४

फिर यहोवा की यह वाणी है, क्या कोई ऐसे गुप्त स्थानों में छिप सकता है, कि मैं उसे न देख सकूं ? क्या स्वर्ग और पृथ्वी दोनों मुझ से परिपूर्ण नहीं हैं ?

२ पतरस ३ : ७

पर वर्तमान काल के आकाश और पृथ्वी उसी वचन के द्वारा इसलिए रखे हैं, कि जलाएँ ; और वह भक्ति-हीन मनुष्यों के न्याय और नाश होने के दिन तक ऐसे हीं रखे रहेंगे ।

भजन संहिता ९ : १७

दुष्ट अधोलोक में लौट जायेंगे, तथा वे सब जातियां भी जो परमेश्वर को भूल जाती हैं ।

मत्ती १३ : ४१, ४२

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्ग दूतों को भेजेगा, और वे उसके राज्य में से सब ठोकर के कारणों को और कुकर्म करने वालों को इकट्ठा करेंगे । और उन्हें आग के कुण्ड में डालेंगे, वहाँ रोना और दाँत पीसना होगा ।

मत्ती २५ : ४७

और यह अनन्त दण्ड भोगेंगे । परन्तु धर्मी अनन्त जीवन में प्रवेश करेंगे ।

मत्ती १८ : ८

यदि तेरा हाथ या तेरा पाँव तुझे ठोकर खिलाए, तो काटकर फेंक दे; टुण्डा या लंगड़ा होकर जीवन में प्रवेश करना तेरे लिए इससे भला है, कि दो हाथ या दो पाँव रहते हुए तू अनन्त आग में डाला जाए ।

न्याय सामने है

इब्रानियों ९ : २७

और जैसे मनुष्यों के लिए एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त है।

प्रेरितों १७ : ३१

क्योंकि उसने एक दिन ठहराया है, जिसमें वह उस मनुष्य के द्वारा धर्म से जगत का न्याय करेगा, जिसे उसने ठहराया है और उसे मरे हुओं में से जिलाकर, यह बात सब पर प्रमाणित कर दी है॥

रोमियों १४ : १२

सो हममें से हरएक परमेश्वर को अपना अपना लेखा देगा॥

१ यूहन्ना ४ : १७

इसी से प्रेम हममें सिद्ध हुआ, कि हमें न्याय के दिन हियाव हो ; क्योंकि जैसा वह है, वैसे ही संसार में हम भी हैं।

२ कुरिन्थियों ५ : १०

क्योंकि अवश्य है, कि हम सब का हाल मसीह के न्याय आसन के साम्हने खुल जाए, कि हरएक, व्यक्ति अपने-अपने भले बुरे कामों का बदला जो उसने देह के द्वारा किए हों, पाए॥

२ पतरस २ : ९

तो प्रभु भक्तों को परीक्षा में से निकाल लेना और अधर्मियों को न्याय के दिन तक दंड की दशा में रखना भी जानता है।

यीशु मसीह का अनुग्रह

रोमियों ५ : १५

पर जैसा अपराध की दशा है, वैसी अनुग्रह के बरदान की नहीं, क्योंकि जब एक मनुष्य के अपराध से बहुत लोग मरे, तो परमेश्वर का अनुग्रह और उसका जो दान एक मनुष्य के, अर्थात् यीशु मसीह के अनुग्रह से हुआ बहुतेरे लोगों पर अवश्य ही अधिकाई से हुआ ।

२ कुरिन्थियों ९ : १५

परमेश्वर को उसके उस दान के लिए जो वर्णन से बाहर है, धन्यवाद हो ।।

१ पतरस ५ : ५ अ

...क्योंकि परमेश्वर अभिमानियों का साम्हना करता है, परन्तु दीनों पर अनुग्रह करता है ।

२ कुरिन्थियों ८ : ९

तुम हमारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह जानते हो, कि वह धनी होकर भी तुम्हारे लिये कंगाल बन गया ताकि उसके कंगाल हो जाने से तुम धनी हो जाओ ।

प्रेरितों० ४:३३

और प्रेरित बड़ी सामर्थ से प्रभु यीशु के जी उठने की गवाही देते रहे और उन सब पर बड़ा अनुग्रह था ।

रोमियों ९ : १६

सो यह न तो चाहने वाले की, न दौड़ने वाले की परन्तु दया करने वाले परमेश्वर की बात है ।

यहेजकेल १८ : ३१

अपने सब अपराधों को जो तुमने किए हैं, दूर करो; अपना मन और अपनी आत्मा बदल डालो ! हे इस्राएल के घराने तुम क्यों मरो ?

मत्ती ३ : २

मन फिराओ ; क्योंकि स्वर्ग का राज्य निकट आ गया है।

२ कुरिन्थियों ७ : १०

क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चात्ताप उत्पन्न करता है जिसका परिणाम उद्धार है और फिर उससे पछताना नहीं पड़ता : परन्तु संसारी शोक मृत्यु उत्पन्न करता है।

प्रेरितों० ३ : १९

इसलिए, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हार पाप मिटाएँ जाएँ, जिससे प्रभु के संमुख से विश्रान्ति के दिन आएं।

प्रेरितों १७ : ३०

इसलिए परमेश्वर अज्ञानता के समयों से आनाकानी करके, अब हर जगह सब मनुष्यों को मन फिराने की आज्ञा देता है।

लूका १३ : ३

मैं तुम से कहता हूँ कि नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे तो तुम सब भी इसी रीत से नाश होगे।

यशायाह ५५ : ७

दुष्ट अपनी चाल चलन और अनर्थकारी अपने सोच-विचार छोड़ कर यहोवा ही की ओर फिरे वह उस पर दया करेगा, वह हमारे परमेश्वर की ओर फिरे और वह पूरी रीति से उसको क्षमा करेगा।

प्रेरितों ५ : ३१

उसी को परमेश्वर ने प्रभु और उद्धारक ठहराकर, अपने दाहिने हाथ से सर्वोच्च कर दिया, कि वह इस्राएलियों को मन फिराव की शक्ति और पापों की क्षमा प्रदान करे।

प्रकाशितवाक्य ३ : २०

देख, मैं द्वार पर खड़ा हुआ खटखटाता हूं; यदि कोई मेरा शब्द सुनकर द्वार खोलेगा, तो मैं उसके पास भीतर आकर उसके साथ भोजन करूंगा, और वह मेरे साथ।

मत्ती ६ : १४

इसलिये यदि तुम मनुष्य के अपराध क्षमा करोगे, तो तुम्हारा स्वर्गीय पिता भी तुम्हें क्षमा करेगा।

यहेजकेल १८ : २१

परन्तु यदि दुष्ट जन अपने सब पापों से फिरकर, मेरी सब विधियों का पालन करे और न्याय और धर्म के काम करे, तो वह न मरेगा; वरन जीवित ही रहेगा।

मरकुस २ : ५

यीशु ने, उनका विश्वास देखकर, उस झोले के मारे हुए से कहा; हे पुत्र, तेरे पाप क्षमा हुए।

कुलुस्सियों ३ : २

पृथ्वी पर की नहीं परन्तु स्वर्गीय वस्तुओं पर ध्यान लगाओ।

तीतुस २ : ११, १२

क्योंकि परमेश्वर का वह अनुग्रह प्रगट है, जो सब मनुष्यों के उद्धार का कारण है। और हमें चिताता है, कि हम अभक्ति और सांसारिक अभिलाषाओं से मन फेरकर इस युग में संयम और धर्म और भक्ति से जीवन बिताएं।

यशायाह १ : १६

अपने को धोकर पवित्र करो; मेरी आंखों के साम्हने से अपने बुरे कामों को दूर करो भविष्य में बुराई करना छोड़ दो।

१ यूहन्ना २ : १५, १६

तुम न तो संसार से और न संसार में की वस्तुओं से प्रेम रखो : यदि कोई संसार से प्रेम रखता है, तो उसमें पिता का प्रेम नहीं है। क्योंकि जो कुछ संसार में है, अर्थात् शरीर की अभिलाषा, आंखों की अभिलाषा और जीविका का घमंड वह पिता की ओर से नहीं, परन्तु संसार ही की ओर से है।

इफिसियों ५ : ११

और अन्धकार के निष्फल कामों में सहभागी न हो, वरन उन पर उलाहना दो।

यहेजकेल ३६ : २६

मैं तुमको नया मन दूंगा, और तुम्हारे भीतर नई आत्मा उत्पन्न करूंगा ; और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुमको मांस का हृदय दूंगा ।

यूहन्ना ३ : ३

यीशु ने उसको उत्तर दिया; कि मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, यदि कोई नये सिरे से न जन्मे तो परमेश्वर का राज्य देख नहीं सकता ।

२ कुरिन्थियों ५ : १७

सो यदि कोई मसीह में हैं तो वह नई सृष्टि है: पुरानी बातें बीत गई हैं; देखो वह सब नई हो गयीं।

१ यूहन्ना २ : २९

यदि तुम जानते हो, कि वह धार्मिक है, तो यह भी जानते हो, कि जो कोई धर्म का काम करता है, वह उससे जन्मा है ।

१ पतरस १ : २३

क्योंकि तुमने नाशमान नहीं पर अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरने वाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है।

१ यूहन्ना ५ : १८

हम जानते हैं, कि जो कोई परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह पाप नहीं करता, पर जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ, उसे वह बचाए रखता है : और वह दुष्ट उसे छूने नहीं पाता ।

इफिसियों २ : १ और ६

और उसने तुम्हें भी जिलाया, जो अपने अपराधों और पापों के कारण मरे हुए थे।···और मसीह यीशु में उसके साथ उठाया, और स्वर्गीय स्थानों में उसके साथ बैठाया।

कुलुस्सियों ३ : १

सो जब तुम मसीह के साथ जिलाए गए, तो स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहो, जहाँ मसीह वर्तमान है और परमेश्वर के दहिनी ओर बैठा है।

१ पतरस २ : २४

वह आप ही हमारे पापों को अपनी देह पर लिए हुए क्रूस पर चढ़ गया, जिससे हम पापों के लिये मर करके धार्मिकता के लिये जीवन बिताएं उसी के मार खाने से तुम चंगे हुए।

रोमियों ६ : २ और ११

कदापि नहीं, हम जब पाप के लिये मर गए तो फिर आगे को उसमें क्यों कर जीवन बिताएं?··· ऐसे ही तुम भी अपने आपको पाप के लिए तो मरा, परन्तु परमेश्वर के लिये मसीह यीशु में जीवित समझो।

अनन्त जीवन

यूहन्ना ३ : १४, १५

और जिस रीति से मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अश्वय है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाय। ताकि जो कोई विश्वास करे उसमें अनन्त जीवन पाए॥

रोमियों ६ : २३

क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है, परन्तु परमेश्वर का बरदान हमारे प्रभु मसीह यीशु में अनन्त जीवन है।

यूहन्ना १७ : ३

और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जानें।

यूहन्ना ३ : ३६

जो पुत्र पर विश्वास करता है, अनन्त जीवन उसका है; परन्तु जो पुत्र की नहीं मानता, वह जीवन को नहीं देखेगा, परन्तु परमेश्वर का क्रोध उस पर रहता है।

गलतियों ६ : ८

क्योंकि जो अपने शरीर के लिये बोता है, वह शरीर के द्वारा विनाश की कटनी काटेगा; और जो आत्मा के लिये बोता है, वह आत्मा के द्वारा अनन्त जीवन की कटनी कटेगा। यूहन्ना ५ : २४

मैं तुम से सच-सच कहता हूँ, जो मेरा वचन सुनकर मेरे भेजनेवाले की प्रतीति करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नहीं होती परन्तु वह मृत्यु के पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है।

उद्धार का निश्चय

यशायाह ३२ : १७

और धर्म का फल शान्ति और उसका परिणाम सदा का चैन और निश्चिन्त रहना होगा।

रोमियों ८ : १६

आत्मा आप ही हमारी आत्मा के साथ गवाही देता है, कि हम परमेश्वर की सन्तान हैं।

१ यूहन्ना ३ : १८, १९

हे बालको, हम वचन और जीभ ही से नहीं, पर काम और सत्य के द्वारा भी प्रेम करें। इसी से हम जानेंगे, कि हम सत्य के हैं, और जिस बात में हमारा मन हमें दोष देगा, उसके विषय में हम उसके साम्हने अपने अपने मन को ढाढ़स दे सकेंगे।

१ यूहन्ना ४ : १३

इसी से हम जानते हैं, कि हम उसमें बने रहते हैं, और वह हम में, क्योंकि उसने अपने आत्मा में से हमें दिया है।

यूहन्ना १४ : २१

जिस के पास मेरी आज्ञा है, और वह उन्हें मानता है, वही मुझ से प्रेम रखता है, और जो मुझ से प्रेम रखता है, उससे मेरा पिता प्रेम रखेगा, और मैं उस से प्रेम रखूंगा, और अपने आप को उस पर प्रगट करूँगा।

और तुम जो पुत्र हो, इसलिये परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को जो हे अब्बा, हे पिता कहकर पुकारता है, हमारे हृदय में भेजा है। गलतियों ४ : ६

मसीह हमारे अन्दर रहकर हमें प्रसन्नता देता है

यूहन्ना १७ : १३

परन्तु अब मैं तेरे पास आता हूँ, और ये बातें जगत में कहता हूँ, कि वे मेरा आनन्द अपने में पूरा पाएं।

रोमियों १४ : १७

क्योंकि परमेश्वर का राज्य खाना-पीना नहीं, परन्तु धर्म और मिलाप और वह आनन्द है जो पवित्र आत्मा से होता है।

गलतियों २ : २०

मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूं, और अब मैं जीवित न रहा, पर मसीह मुझ में जीवित है : और मैं शरीर में अब जो जीवित हूं तो केवल उस विश्वास से जीवित हूं, जो परमेश्वर के पुत्र पर है, जिस ने मुझ से प्रेम किया, और मेरे लिये अपने आप को दे दिया।

भजन संहिता १६ : १०

तू मुझे जीवन का रास्ता दिखाएगा; तेरे निकट आनन्द की भरपूरी है, तेरे दहिने हाथ में सुख सर्वदा बना रहता है।

यशायाह १२ : ३

तुम आनन्दपूर्वक उद्धार के सोतों से जल भरोगे।

यूहन्ना १५ : ११

मैंने ये बातें तुम से इसलिये कहीं हैं, कि मेरा आनन्द तुम में बना रहे, और तुम्हारा आनन्द पूरा हो जाय।

प्रभु की आज्ञा मानना आवश्यक है

१ शमूएल १२ : १५

परन्तु यदि तुम यहोवा की बात न मानो, और यहोवा की आज्ञा को टालकर उससे बलवा करो, तो यहोवा का हाथ जैसे तुम्हारे पुरखाओं के विरुद्ध हुआ वैसे ही तुम्हारे भी विरुद्ध उठेगा।

रोमियों ६ : १६

क्या तुम नहीं जानते, कि जिस की आज्ञा मानने के लिये तुम अपने आपको दासों की नाईं सौंप देते हो, उसी के दास हो : और जिसकी मानते हो, चाहे पाप के, जिस का अन्त मृत्यु है, चाहे आज्ञा मानने के, जिसका अन्त धार्मिकता है ?

२ थिस्सलुनीकियों १ : ७-९

और तुम्हें जो क्लेश पाते हो, हमारे साथ चैन दे; उस समय जब कि प्रभु यीशु अपने सामर्थी दूतों के साथ, धधकती हुई आग में स्वर्ग से प्रगट होगा। और जो परमेश्वर को नहीं पहचानते, और हमारे प्रभु यीशु के सुसमाचार को नहीं मानते उन से पलटा लेगा। वे प्रभु के साम्हने से, और उसकी शक्ति के तेज से दूर होकर अनन्त विनाश का दंड पाएंगे।

सुनो, मैं आज के दिन तुम्हारे आगे आशीष और शाप दोनों रख देता हूं। अर्थात् यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की इन आज्ञाओं को जो मैं आज तुम्हें सुनाता हू मानों, तो तुम पर आशीष होगी, और यदि तुम अपने परमेश्वर यहोवा की आज्ञाओं को नहीं मानोगे, तो तुम पर शाप पड़ेगा। व्यवस्थाविवरण ११ : २६-२८ अ

३४ यीशु मसीह का अंगीकार करना आवश्यक है

फिलिप्पियों २ : ११

और परमेश्वर पिता की महिमा के लिये हर एक जीभ अंगीकार कर ले कि यीशु मसीह ही प्रभु है।

मत्ती १० : ३२, ३३

जो कोई मनुष्यों के साम्हने मान लेगा, उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के साम्हने मान लूंगा। पर जो कोई मनुष्यों के साम्हने मेरा इन्कार करेगा उससे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के साम्हने इन्कार करूंगा।

रोमियों १० : ९, १०

कि यदि तू अपने मुंह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।

१ यूहन्ना २ : २३

जो कोई पुत्र का इन्कार करता है उसके पास पिता भी नहीं : जो पुत्र को मान लेता है, उसके पास पिता भी है।

लूका ९ : २६

जो कोई मुझ से और मेरी बातों से लजाएगा ; मनुष्य का पुत्र भी जब अपनी, और अपने पिता की, और पवित्र स्वर्ग दूतों की, महिमा सहित आएगा, तो उस से लजाएगा।

शैतान—हमारा शत्रु

मत्ती ४ : १ और १०, ११

तब उस समय आत्मा यीशु को जंगल में ले गया ताकि इब्लीस से उसकी परीक्षा हो।.....तब यीशु ने उससे कहा, हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना कर। तब शैतान उसके पास से चला गया ; और देखो, स्वर्गदूत आकर उसकी सेवा करने लगे।

२ थिस्सलुनीकियों २ : ९

उस अधर्मी का आना शैतान के कार्य्य के अनुसार सब प्रकार की झूठी सामर्थ, और चिन्ह, और अद्भुत काम के साथ।

प्रेरितों २६ : १८

कि तू उनकी आंखें खोले, कि वे अंधकार से ज्योति ओर, और शैतान के अधिकार से परमेश्वर की ओर फिरें, कि पापों की क्षमा, और उन लोगों के साथ जो मुझ पर विश्वास करने से पवित्र किए गए हैं। मीरास पाएं।

१ पतरस ५ : ८

सचेत हो, और जागते रहो, क्योंकि तुम्हारा विरोधी शैतान, गर्जन वाले सिंह की नाईं इस खोज में रहता है, कि किसको फाड़ खाए।

इफिसियों ६ : ११

परमेश्वर के सारे हथियार बांध लो; कि तुम शैतान की युक्तियों के साम्हने खड़े रह सको।

२ थिस्सलुनीकियों २ : ८

तब वह अधर्मी प्रगट होगा, जिसे प्रभु यीशु अपने मुँह की फूंक से मार डालेगा, और आगमन के तेज से भस्म करेगा।

याकूब ४ : ७, ८ अ

इसलिए परमेश्वर के आधीन हो जाओ ; और शैतान का साम्हना करो, तो वह तुम्हारे पास से भाग निकलेगा। परमेश्वर के निकट आओ तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा।

१ यूहन्ना ३ : ८

जो कोई पाप करता है, वह शैतान की ओर से है, क्योंकि शैतान आरम्भ ही से पाप करता आया है ; परमेश्वर का पुत्र इसलिये प्रगट हुआ, कि शैतान के कामों को नाश करे।

रोमियों ८ : ३५ और ३७

कौन हमको मसीह के प्रेम से अलग करेगा ? क्या क्लेश, या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार ?···परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिससे हम से प्रेम किया है, जयवन्त से भी बढ़कर हैं।

इब्रानियों २ : १४

इसलिये जब कि लड़के मांस और लोहू के भागी हैं, तो वह आप भी उनके समान उनका सहभागी हो गया; ताकि मृत्यु के द्वारा उसे, जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली थी अर्थात् शैतान को निकम्मा कर दे।

१ यूहन्ना ४ : २०

यदि कोई कहे, कि मैं परमेश्वर से प्रेम रखता हूं ; और अपने भाई से बैर रखे, तो वह झूठा है : क्योंकि जो अपने भाई से, जिसे उसने देखा है, प्रम नहीं रखता, तो वह अपने परमेश्वर से भी जिसे उसने नहीं देखा, प्रेम नहीं रख सकता ।

गलतियों ५ : २२ २३ अ

पर आत्मा का फल प्रेम, आनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, और संयम है ।

यूहन्ना १३ : ३५

यदि आपस में प्रेम रखोगे तो इसी से सब जानेंगे, कि तुम मेरे चेले हो ।

यूहन्ना २१ : १६

उसने फिर दूसरी बार उससे कहा, हे शमौन यूहन्ना के पुत्र, क्या तू मुझ से प्रेम रखता है ? उसने उनसे कहा— हाँ ,प्रभु तू जानता है, कि मैं तुझ से प्रीति रखता हूं : उसने उससे कहा मेरी भेड़ों की रखवाली कर ।

१ कुरिन्थियों १३ : १

यदि मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियां बोलूं, और प्रेम न रखूं, तो मैं ठनठनाता हुआ पीतल, और झनझनाती हुई झांझ हूं ।

१ यूहन्ना ३ : १४

हम जानते हैं, कि हम मृत्यु से पार होकर जीवन में पहुंचे हैं; क्योंकि हम भाइयों से प्रेम रखते हैं जो प्रेम नहीं रखता, वह मृत्यु की दशा में रहता है ।

मसीह का पुनरुत्थान

प्रेरितों १० : ३९-४१

और हम उन सब कामों के गवाह हैं ; जो उसने यहूदिया के देश और यरूशलेम में भी किए, और उन्होंने उसे काठ पर लटका कर मार डाला। उसको परमेश्वर ने तीसरे दिन जिलाया, और प्रगट भी कर दिया है । सब लोगों को नहीं वरन उन गवाहों को जिन्हें परमेश्वर ने पहिले से चुन लिया था, अर्थात् हमको जिन्होंने उसके मरे हुओं में से जी उठने के बाद उसके साथ खाया पीया।

रोमियों ४ : २५

वह हमारे अपराधों के लिए पकड़वाया गया, और हमारे धर्मी ठहरने के लिए जिलाया भी गया।

यूहन्ना २० : २६-२८

आठ दिन के बाद उसके चेले फिर घर के भीतर थे, और थोमा उनके साथ था, और द्वार बन्द थे, तब यीशु ने आकर और बीच में खड़ा होकर कहा, तुम्हें शान्ति मिले तब उसने थोमा से कहा, अपनी उंगली यहां लाकर मेरे हाथों को देख और अपना हाथ लाकर मेरे पंजर में डाल और अविश्वासी नहीं परन्तु विश्वासी हो। यह सुन थोमा ने उत्तर दिया हे मेरे प्रभु हे, मेरे परमेश्वर !

मरकुस १६ : ९

सप्ताह के पहिले दिन भोर होते ही वह जी उठकर पहिले-पहिल मरियम मगदलीनी को जिसमें से उसने सात दुष्टात्माएं निकाली थीं, दिखाई दिया।

रोमियों ६ : ३-५

क्या तुम नहीं जानते, कि हम जितनों ने मसीह यीशु का बपतिस्मा लिया, तो उसकी मृत्यु का बपतिस्मा लिया ? सो उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें। क्योंकि यदि हम उसकी मृत्यु की समानता में उसके साथ जुट गए हैं, तो निश्चय उसके जी उठने की समानता में भी जुट जाएंगे।

मत्ती १६ : २१

उस समय से यीशु अपने चेलों को बताने लगा, कि मुझे अवश्य है, कि यरूशलेम को जाऊं, और पुरनियों और महायाजकों और शास्त्रियों के हाथ से बहुत दुख उठाऊं ; और मार डाला जाऊं ; और तीसरे दिन जी उठूं।

यूहन्ना ५ : २५ और २८, २९

मैं तुम से सच-सच कहता हूं, वह समय आता है,और अब है, जिसमें मृतक परमेश्वर के पुत्र का शब्द सुनेंगे, और जो सुनेंगे वे जीएंगे ··· इससे अचम्भा मत करो, क्योंकि वह समय आता है, कि जितने कब्रों में हैं, उसका शब्द सुनकर निकलेंगे जिन्होंने भलाई की है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिये उठेंगे और जिन्होंने बुराई की है वे दंड के पुनरुत्थान के लिये जी उठेंगे।

प्रभु के लिए पवित्रता

लूका १ : ७४, ७५

कि वह हमें यह देगा, कि हम अपने शत्रुओं के हाथ से छूटकर, उसके साम्हने पवित्रता और धार्मिकता से जीवन भर निडर रहकर उसकी सेवा करते रहें।

२ कुरिन्थियों ७ : १

सो हे प्यारो जब कि ये प्रतिज्ञायें हमें मिली हैं, तो आओ, हम अपने आपको शरीर और आत्माओं की सब मलिनता से शुद्ध करें, और परमेश्वर का भय रखते हुए पवित्रता को सिद्ध करें।

२ तीमुथियुस २ : २१

यदि कोई अपने आप को इन से शुद्ध करेगा, तो वह आदर का बरतन, और पवित्र ठहरेगा ; और स्वामी के काम आएगा, और हर भले काम के लिए तैयार होगा।

१ पतरस १ : २

और परमेश्वर पिता के भविष्य ज्ञान के अनुसार, आत्मा के पवित्र करने के द्वारा आज्ञा मानने, और यीशु मसीह के लोहू के छिड़के जाने के लिये चुने गए हैं।

१ पतरस १ : १५

पर जैसा तुम्हारा बुलाने वाला पवित्र है, वैसे ही तुम भी अपने सारे चालचलन में पवित्र बनो।

प्रभु के लिए पवित्रता

यशायाह ३५ : ८

और वहां एक सड़क अर्थात् राजमार्ग होगा, उसका नाम पवित्र मार्ग होगा; कोई अशुद्ध जन उस पर से न चलने पाएगा; वह तो उन्हीं के लिये रहेगा और उस मार्ग पर जो चलेंगे वह चाहे मूर्ख भी हों तौ भी कभी न भटकेंगे।

१ यूहन्ना १ : ९

यदि हम अपने पापों को मान लें, तो वह हमारे पापों को क्षमा करने, और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।

मत्ती ३ : ११

मैं तो पानी से तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा देता हूं, परन्तु जो मेरे बाद आनेवाला है, वह मुझ से शक्तिशाली है, मैं उसकी जूती उठाने के योग्य नहीं, वह तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा।

इफसियों १ : ४

जैसा उसने हमें जगत की उत्पत्ति से पहले उसमें चुन लिया, कि हम उसके निकट प्रेम में पवित्र और निर्दोष हों।

इब्रानियों १३ : १२

इसी कारण यीशु ने भी लोगों को अपने ही लोहू के द्वारा पवित्र करने के लिये फाटक के बाहर दुख उठाया।

प्रेरितों १३ : ५२

और चेले आनन्द से और पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होते रहे ॥

रोमियों ८ : ९

परन्तु जब कि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं, परन्तु आत्मिक दशा में हो। यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं तो वह उसका जन नहीं।

लूका ११ : १३

सो जब तुम बुरे होकर अपने लड़के-बालों को अच्छी वस्तुएं देना जानते हो, तो स्वर्गीय पिता अपने मांगने वालों को पवित्र आत्मा क्यों न देगा।

यहेजकेल ३६ : २७

और मैं अपना आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे और मेरे नियमों को मानकर उनके अनुसार करोगे।

प्रेरितों १ : ८ अ

परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ पाओगे,···और मेरे गवाह होगे।

प्रेरितों ४ : ३१

जब वे प्रार्थना कर चुके, तो वह स्थान जहाँ वे इकट्ठे थे हिल गया, और वे सब पवित्र आत्मा से परिपूर्ण हो गए, और परमेश्वर का वचन हियाव से सुनाते रहे।

भजन संहिता ३४ : १८

यहोवा टूटे मनवालों के समीप रहता है, और पिसे हुओं का उद्धार करता है।

यशायाह ६६ : २

यहोवा की यह वाणी है, ये वस्तुएं मेरे ही हाथ की बनाई हुई हैं, सो ये सब मेरी ही हैं। परन्तु मैं उसी की ओर दृष्टि करूंगा जो दीन और खेदित मन का हो, और मेरा वचन सुनकर थरथराता हो।

प्रकाशितवाक्य २१ : ४

और वह उनकी आंखों से सब आंसू पोंछ डालेगा; और इसके बाद मृत्यु न रहेगी, और न शोक, न विलाप न पीड़ा रहेगी; पहिली बातें जाती रहीं।

१ पतरस ४ : १२, १३

हे प्रियो, जो दुख रूपी अग्नि तुम्हारे परखने के लिये तुम में भड़की है, इससे यह समझकर अचम्भा न करो कि कोई अनोखी बात तुम पर बीत रही है। पर जैसे-जैसे मसीह के दुखों में सहभागी होते हो, आनन्द करो, जिससे उसकी महिमा के प्रगट होते समय भी तुम आनन्दित और मगन हो।

भजन संहिता ३७ : ३

यहोवा पर भरोसा रख, और भला कर; देश में बसा रह और सच्चाई में मन लगाए रह।

इब्रानियों २ : १८

क्योंकि जब उसने जब परीक्षा की दशा में दुख उठाया, तो वह उनकी भी सहायता कर सकता है, जिनकी परीक्षा होती है।

रोमियों १६ : २०

शान्ति का परमेश्वर शैतान को तुम्हारे पावों से शीघ्र कुचलवा देगा।

भजन संहिता ३४ : १९

धर्मी पर बहुत सी विपत्तियां पड़ती तो है, परन्तु यहोवा उसको उन सबसे मुक्त करता है।

यशायाह ४३ : २

जब तू जल में होकर जाए, मैं तेरे संग-संग रहूंगा और जब तू नदियों में होकर चले, तब वे तुझे न डूबा सकेंगी; जब तू आग में चले तब तुझे आंच न लगेगी, और उसकी लौ तुझे न जला सकेगी।

रोमियों ८ : २८

और हम जानते हैं, कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।

१ कुरिन्थियों १० : १३

तुम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने से बाहर है: और परमेश्वर सच्चा है: वह तुम्हें सामर्थ से बाहर परीक्षा में न पड़ने देगा, बरन परीक्षा के साथ निकास भी करेगा; कि तुम सह सको।

प्रकाशित वाक्य ३ : ५

जो जय पाए, उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहिनाया जाएगा, और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूंगा, पर उसका नाम अपने पिता और उसके स्वर्ग दूतों के सम्हाने मान लूंगा।

प्रकाशितवाक्य ३ : १२

जो जय पाए, उसे मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर में एक खंभा बनाऊंगा और वह फिर कभी बाहर न निकलेगा; और मैं अपने परमेश्वर का नाम, और अपने परमेश्वर के नगर, अर्थात् नये यरूशलेम का नाम, जो मेरे परमेश्वर के पास से स्वर्ग पर से उतरनेवाला है और अपना नया नाम उस पर लिखूंगा।

प्रकाशितवाक्य २१ : ७

तो जय पाए, वही इन वस्तुओं का वारिस होगा; और मैं उसका परमेश्वर होऊंगा और वह मेरा पुत्र होगा।

प्रकाशितवाक्य २ : ७

जिसके कान हों, वह सुन ले कि आत्मा कलीसियाओं से क्या कहता है : जो जय पाए, मैं उसे उस जीवन के पेड़ में से जो परमेश्वर के स्वर्गलोक में है, फल खाने को दूंगा।

प्रकाशितवाक्य ३ : २१

जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा, जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया।

४६ परमेश्वर हमें तालाक के बारे में बताता है

मत्ती ५ : ३२

परन्तु मैं तुम से यह कहता हूं कि जो कोई अपनी पत्नी को व्यभिचार के सिवा किसी और कारण से छोड़ दे, तो वह उससे व्यभिचार करवाता है; और जो कोई उस त्यागी हुई से ब्याह करे, वह व्यभिचार करता है।

लूका १६ : १८

जो कोई अपनी पत्नी को त्यागकर दूसरी से ब्याह करता है, वह व्यभिचार करता है, और जो कोई ऐसी त्यागी हुई स्त्री से ब्याह करता है, वह भी व्यभिचार करता है।

रोमियों ७ : २,३

क्योंकि विवाहिता स्त्री व्यवस्था के अनुसार अपने पति के जीते जी उससे बँधी है, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह पति की व्यवस्था से छूट गई। सो यदि पति के जीते जी वह किसी दूसरे पुरुष की हो जाए, तो व्यभिचारिणी कहलाएगी, परन्तु यदि पति मर जाए, तो वह उस व्यवस्था से छूट गई, यहां तक कि यदि किसी दूसरे पुरुष की हो जाए तौ भी व्यभिचारिणी न ठहरेगी।

१ कुरिन्थियों ७ : १०, ११

जिनका ब्याह हो गया है, उनको मैं नहीं, बरन प्रभु आज्ञा देता है, कि पत्नी अपने पति से अलग न हो। और यदि अलग भी हो जाए, तो बिन दूसरा ब्याह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले और न पति अपनी पत्नी को छोड़े।

प्रभु का दूसरा आगमन

मत्ती २४ : २७

क्योंकि जैसे बिजली पूर्व से निकलकर पश्चिम तक चमकती जाती है, वैसे ही मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।

प्रकाशितवाक्य ३ : ११

मैं शीघ्र ही आनेवाला हूं, जो कुछ तेरे पास है, उसे थामे रह, कि कोई तेरा मुकुट छीन न ले।

याकूब ५ : ८

तुम भी धीरज धरो, और अपने हृदय को दृढ़ करो, क्योंकि प्रभु का शुभागमन निकट है।

मत्ती २४ : ३०

तब मनुष्य के पुत्र का चिह्न आकाश में दिखाई देगा, और तब पृथ्वी के सब कुलों के लोग छाती पीटेंगे; और मनुष्य के पुत्र को बड़ी सामर्थ और ऐश्वर्य के साथ आकाश के बादलों पर आते देखेंगे।

यूहन्ना १४ : ३

और यदि मैं जाकर तुम्हारे लिये जगह तयार करू, तो फिर आकर तुम्हें अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो।

मरकुस ८ : ३८

जो कोई इस व्यभिचारी और पापी जाति के बीच मुझ से और मेरी बातों से लजाएगा, मनुष्य का पुत्र भी जब वह पवित्र दूतों के साथ अपने पिता की महिमा सहित आएगा, तब उस से भी लजाएगा।

लूका २१ : २७

तब वे मनुष्य के पुत्र को सामर्थ और बड़ी महिमा के साथ बादल पर आते देखेंगे।

लूका १२ : ४०

तुम भी तैयार रहो, क्योंकि जिस घड़ी तुम सोचते भी नहीं, उस घड़ी मनुष्य का पुत्र आ जावेगा।

१ यूहन्ना ३ : २

हे प्रियो, अभी हम परमेश्वर की सन्तान हैं, और अब तक यह प्रकट नहीं हुआ, कि हम क्या कुछ होंगे। इतना जानते हैं, कि जब वह प्रगट होगा तो हम भी उसके समान होंगे, क्योंकि उसको वैसा ही देखेंगे जैसा वह है।

प्रकाशितवाक्य १६ : १५

देख, मैं चोर की नाईं आता हूं, धन्य वह है, जो जागता रहता है, और अपने वस्त्र की चौकसी करता है, कि नंगा न फिरे, और लोग उसका नंगापन न देखें।

मत्ती १६ : २७

मनुष्य का पुत्र अपने स्वर्गदूतों के साथ अपने पिता की महिमा में आएगा, और उस समय वह हर एक को उसके कामों के अनुसार प्रतिफल देगा।

प्रेरितों १ : ११

और कहने लगे, हे गलीली पुरुषो, तुम क्यों खड़े स्वर्ग की ओर देख रहे हो? यही यीशु, जो तुम्हारे पास से स्वर्ग पर उठा लिया गया है, जिस रीति से तुम ने उसे स्वर्ग को जाते देखा है उसी रीति से वह फिर आएगा।

२ तीमुथियुस ३:१६

हर एक पवित्र शास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और उपदेश, और समझाने, और सुधारने, और धर्म की शिक्षा के लिये लाभदायक है।

२ पतरस १:२१

क्योंकि कोई भी भविष्यद्वाणी मनुष्य की इच्छा से कभी नहीं हुई पर भक्त जन पवित्र आत्मा द्वारा उभारे जाकर परमेश्वर की ओर से बोलते थे॥

भजन संहिता ११९:१०५

तेरा वचन मेरे पांव के लिये दीपक, और मेरे मार्ग के लिये उजियाला है।

भजन संहिता ११९:११

मैंने तेरे वचन को अपने हृदय में रख छोड़ा है, कि तेरे विरुद्ध पाप न करूं।

मत्ती २२:२९

यीशु ने उन्हें उत्तर दिया, कि तुम पवित्र शास्त्र और परमेश्वर की सामर्थ नहीं जानते; इस कारण भूल में पड़ गए हो।

आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे, परन्तु मेरी बातें कभी न टलेंगी॥ लूका २१:३३

For more information or to request a free Bible study, please write to:

WMP
India Bible Literature
67 Beracah Road
Kilpauk
Madras 600 010

India

ISOM Delhi Uttar Pradesh
Rajasthan Punjab Madhya Pradesh
Bihar

HNP